पी एम एफ एम ई योजना के तहत सफलता की कहानी

रितिका जिंदल

रितिका जिंदल , जो जोधपुर की "जिंदल एग्रो फ़ूड " का संचालन करती हैं, पिछले कुछ वर्षों से मसाला क्रय- विक्रय का काम कर रही थीं । एक दिन रितिका मसाले का क्रय करने जोधपुर कृषि उपज मंडी गयीं थीं और वहीं इन्हे अपने किसी मित्र द्वारा पीएमएफएमई योजना के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी प्राप्त होने के बाद, उन्होंने इस योजना का लाभ उठाया और अपने क्रय - विक्रय के व्यापार को एक कदम और आगे बढ़ाया तथा मसाला प्रोसेसिंग की इकाई लगायी।

वर्तमान में, रितिका विभिन्न प्रकार के मसाले की प्रोसेसिंग पर काम कर रही हैं। उनके कारख़ाने में किसान से आने वाले साबुत मसाले को पीस कर तथा उन मसालों को आपस में मिला कर विभिन्न प्रकार के मसाले तैयार किये जाते हैं जैसे छोले मसाले, बिरयानी मसाला, सब्जी मसाला, गरम मसाला, रायता मसाला तथा चटपटा चाट मसाला । रितिका इन मसालों को सुंदर से पैकेट में पैक कर के आगे बाजार में भेज देती हैं। इनके मसाले स्वाद और पैकेजिंग से कस्टमर्स को अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब रहे और इनकी वार्षिक आये एक वर्ष में दोगुनी हो गयी।

लाभान्वित का नाम : रितिका जिंदल

इकाई - मसाला

स्थान : जोधपुर

ऋण स्वीकृत होने की तिथि - फरवरी 2024

परियोजना लागत - : 31.42 लाख

स्वीकृत राशि - 25 लाख

अनुदान राशि - 10 लाख

वार्षिक कुल बिक्री योजना पूर्व - 25 लाख

वार्षिक कुल बिक्री योजना से लाभ के बाद - 50 लाख

रितिका कहती हैं कि पीएमएफएमई योजना सूक्ष्म उद्योगों के लिए बहुत फायदेमंद है। इस योजना का लाभ उठाकर, मैंने भी व्यापार के प्रगतिशीलता के क्षेत्र में कदम बढ़ाया है, जिससे मेरी कमाई में वृद्धि हुई है और मैंने बहुत से लोगो को रोजगार भी दिया है । मैं सरकार को इसके लिए आभार व्यक्त करती हूँ, क्यों कि इस योजना ने मेरे व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया है और मुझे अपने सपनों की पूर्ति करने का मौका दिया है।